मौर्य साम्राज्य के प्रमुख शासक: चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार और अशोक

भाग:-4

डॉ विभूति भूषण

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

मौर्य शासक बिन्दुसार (297-270 BC)

चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार था. इसने विशाल मौर्य साम्राज्य को बनाए रखा. वह ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था तथा आजीवक समुदाय से अत्यंत प्रभावित था. यूनानी लेखकों द्वारा बिन्दुसार को अभित्रोचेट्स नाम दिया गया जिसका संस्कृत में अर्थ आमंत्रित घात होता है. बौद्ध ग्रंथो के अनुसार उसके अनेक पत्नियां थी. जिसमें अशोक दर्शनिया से उत्पन्न माना जाता है.

बिंदुसार के समय तक्षशिला में दो विद्रोह हुए. जिसे दबाने के लिए उसने अपने पुत्र सुसीय तथा अशोक को भेजा. अशोक उस समय उज्जयिनी का गवर्नर था. उसने विद्रोह को दबा दिया. वहां की जनता का कहना था की ' हम शासक के खिलाफ नहीं है लेकिन दुष्ट अमात्य हमारा शोषण करते है.

बिंदुसार के विदेशी संबंध काफी अच्छे थे. उसने मिस्त्र के शासक टालमी फिलाडेल्फ तथा सीरिया के शासक एंटीयोकस से राजनयिक संबंध बनाये. एंटीयोकस ने डायमेकस नामक राजदूत को पाटलिपुत्र भेजा था.

बिन्दुसार ने सीरिया के शासक से तीन चीजों की मांग की थी मीठी मदिरा, सुखी अंजीर तथा सोफिस्ट (दार्शनिक). इनमें से मीठी मदिरा तथा सुखी अंजीर तो भेज दिया गया लेकिन सोफिस्ट को नहीं भेजा गया क्योंकि यूनानी कानून इसकी इजाजत नहीं देता था.

बिन्दुसार आजीवक समुदाय का अनुयायी था. उसके दरबार में आजिवकों को सम्मानजनक स्थान दिया गया था.